Serving Humanity Since 118 years ..... विगत 118 वर्षों से मानवता की सेवा मे तत्पर

Gurukul Kangri University, Haridwar

(NAAC 'A' Grade Accredited Deemed to be University u/s 3 of UGC Act 1956)

द्वारा आयोजित

Medicinal Plants Mega Conference & Exhibition

औषधीय पादप महाकुंभ संगोष्ठी एवम् प्रदर्शनी

Jan 14, 2021 onwards .....

Virtual & Live

Certification & Appreciation

Rewards & Awards

	मुख्य आकर्षण	
योगासन प्रतियोगिता		स्वास्थ्य शिविर
वैज्ञानिक शोधपत्र लेखन	निबंध प्रतियोगिता	स्वास्थ्य परामर्श
अनुसंधान अनुदान लेखन	सामाजिक वार्तालाप	मंत्रीगण के विचार
वेद – मंत्र प्रतियोगिता	मौखिक प्रस्तुतीकरण	आकाशवाणी संवाद
साइन्सटून	वाद – विवाद प्रतियोगिता	व्यक्तिगत प्रशिक्षण
किसान प्रशिक्षण	वेबिनार	कला प्रतियोगिता
मन की बात	आयुष	विभिन्न गतिविधियाँ
सम्मेलन	गंगा जल शोध एवम् संवर्धन	आपातकालीन प्रबंधन
कार्यशाला	वर्चुअल टूर	औषधीय पादप वितरण
प्रदर्शनी	आमंत्रित व्याख्यान	पात्र - अभिनेय

Organised by: भेषज विज्ञान विभाग (Department of Pharmaceutical Sciences)

Contact: 7300761300, 7300761323, 7300676767,
Email id: pharma@gkv.ac.in | Website: www.gkv.ac.in

औषधीय पादप महाकुंभ संगोष्ठी एवम् प्रदर्शनी

Start from January 14, 2020 onwards .....

हरिद्वार: संक्षिप्त परिचय

हरिद्वार उत्तराखंड राज्य में स्थित प्राचीन हिन्दू तीर्थ स्थलों में से एक है। ऊंचाई पर स्थित अपने स्रोत गोमुख (गंगोत्री हिमनद) से २५३ किमी की यात्रा करके गंगा नदी हरिद्वार के मैदानी क्षेत्र में प्रवेश करती है, इसलिए हरिद्वार को 'गंगाद्वार' के नाम से भी जाना जाता है। 'हर की पौड़ी' हरिद्वार का मुख्य स्थान है और मुख्यतः यहीं स्नान करने के लिए लोग आते हैं। एक अन्य प्रचलित मान्यता के अनुसार कहा जाता है कि यहाँ धरती पर भगवान् विष्णु आये थे। धरती पर भगवान् विष्णु के पैर पड़ने के कारण इस स्थान को 'हरि की पैड़ी' कहा गया जो बोलचाल में 'हर की पौड़ी' बन गया है। इसे हरिद्वार का हृदय-स्थल माना जाता है। घाट के समीप ही अनेकों छोटे-बड़े मंदिर हैं, जहाँ से हमेशा मंत्रोच्चारण और मंदिर की घंटियों की मधुर ध्वनि सुनाई देता रहता है। यहां शाम के समय होने वाली गंगा आरती पर्यटकों के बीच आकर्षण का केन्द्र होता है। इस समय यहां का नजारा बहुत ही मनोरम होने के साथ-साथ तेजमय होता है। मंत्रोच्चारण और झांझ-घड़ियालों की ध्वनि से यहां का पूरा वातावरण इतना औलोकिक हो जाता है कि आरती में शामिल हर व्यक्ति अपने आप को किसी और ही लोक में पाता है। मंत्रमुग्ध करने वाले मंत्रो और प्राकृतिक सुंदरता के माहौल के कारण उच्च शिक्षा अर्जन हेतु हरिद्वार एक आदर्श स्थान है। शहर में औद्योगिक विकास निगम (सिडकुल) की स्थापना की गयी है जिसका विस्तार तेजी से किया जा रहा है जिसमे फार्मास्यूटिकल और एफएमसीजी जैसी कंपनियों को औद्योगिक स्टेट के रूप में विकसित होने का मौका मिल रहा है।

विश्वविद्यालय: संक्षिप्त परिचय

गुरुकुल कांगड़ी (डीम्ड) विश्वविद्यालय की स्थापना 4 मार्च, 1902 को स्वामी श्रद्धानंदजी ने गंगा जी के किनारे प्राचीन भारतीय गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से की थी। हरिद्वार दिल्ली से लगभग 200 किलोमीटर दूर है। यह संस्थान वैदिक साहित्य, भारतीय दर्शन, भारतीय संस्कृति, आधुनिक विज्ञान, और अनुसंधान के क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करके, लॉर्ड मैकाले की शिक्षा नीति के लिए एक स्वदेशी विकल्प प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था। गुरुकुल कांगड़ी (डीम्ड) विश्वविद्यालय यूजीसी, भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से वित पोषित विश्वविद्यालय है। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की यात्रा प्रख्यात लोगों द्वारा की जा चुकी है, जिनमें सीएफ एंड्रयूज, रेमी मैकडोनाल्ड, महात्मा गांधी जी, मदन मोहन मालवीय जी, राजेंद्र प्रसाद जी, राधा कृष्णन जी, जमनालाल बजाज जी, मुंजे, साधु वासवानी जी, जवाहरलाल नेहरू जी, इंदिरा गांधी जी, लालकृष्ण आडवाणी जी, मीरा कुमार जी और ज्ञानी-जैल सिंह जी शामिल हैं। यह प्राच्य और आधुनिक अध्ययन के एक आदर्श मिश्रण के साथ एक अद्वितीय विश्वविद्यालय है।

विभाग: संक्षिप्त परिचय

2006 में 10 वीं योजना के तहत UGC विजिटिंग कमेटी द्वारा B.Pharm कोर्स शुरू करने के लिए अनुदान स्वीकृत किया गया था। इस उद्देश्य के लिए विश्वविद्यालय ने एक नए संकाय "चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य के संकाय" की स्थापना की और भेषज विज्ञान विभाग इस संकाय के पहले विभाग के रूप में स्थापित करते हुए इस पाठ्यक्रम को यूजीसी की पूर्व स्वीकृति के साथ शैक्षणिक सत्र 2007-08 में इस विभाग में पहले पाठ्यक्रम के रूप में पेश किया गया तथा पाठ्यक्रम को आधुनिक तकनीक के साथ दवा विज्ञान को समृद्ध करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है ताकि पेशेवरों को चिकित्सा सहायक और मानव स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता को पूरा किया जा सके। विभाग के पास अनुभवी, प्रसिद्ध और अनुसंधान-उन्मुख संकाय हैं। यह पाठ्यक्रम छात्रों को असाधारण तकनीकी क्षमता से लैस करने के लिए एक पूर्णकालिक प्रशिक्षण प्रदान करता है ताकि वे अस्पतालों, नर्सिंग होम, फार्मास्युटिकल उद्योग आदि में अपनी सेवाओं का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर सकें और जीएमपी मानदंडों के तहत दवा का उत्पादन कर सकें और गुणवत्ता नियंत्रण कर सकें। फार्मेसियों और अन्य संगठनों में।

औषधि पादप महाकुम्भ - २०२१ के आयोजन

आधुनिक युग में आयुर्वेदिक औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों की गुणवत्ता, दक्षता और महत्व को समझते हुए, भेषज विज्ञान विभाग, गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा औषधि पादप महाकुम्भ-२०२१ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में भारत और विदेश के कई विद्वान भाग लेंगे और औषधीय पौधों, जड़ी बूटियों और गंगा जल पर शोध से संबंधित विषयों के बारे में नई जानकारी साझा करेंगे। कई किसानों को न केवल इस कार्यक्रम से लाभ होगा, बल्कि विद्यार्थियों एवं अन्य क्षेत्रों से संबंधित लोगों को भी औषधीय पौधों और जड़ी बूटियों के बारे में बहुमूल्य जानकारी से अवगत होने का अवसर मिलेगा। इस औषधि पादप महाकुम्भ-२०२१ के आयोजन से जन-जन लाभान्वित होंगे साथ ही साथ कई नई जानकारियाँ भी उपलब्ध होंगी।

औषधि पादप महाकुम्भ-२०२१ के उद्देश्य

औषधीय पादप महाकुंभ -2021 औषधीय पौधों से संबंधित मुद्दों पर अनुसंधान साक्ष्य, व्यावहारिक अनुभव और नवीन विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और शिक्षकों को अवसर प्रदान करेगा। औषधीय पौधे के क्षेत्र में नए नवाचार लाने के लिए, उनका महत्व और तथ्यों पर चर्चा करना और नवाचार के दौरान समस्याएं आती हैं। विचारों और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिकों, युवा वैज्ञानिकों और छात्रों को एक साझा मंच प्रदान करना है। औषधि पादप महाकुम्भ-

२०२१ का उद्देश्य गतिविधियों में भाग लेने के लिए नए दर्शकों को शामिल करना है, निश्चित रूप से, हम औषधीय पौधों के सोशल मीडिया खातों के मौजूदा अनुयायियों तक पहुंचना चाहते हैं, और वैश्विक पहुंच का विस्तार करना चाहते हैं।

मुख्य आकर्षण

विशेषज्ञ वार्ता	पोस्टर प्रस्तुति	भाषण
संवाद	वाद-विवाद	नवाचार प्रतियोगिता
परामर्श	प्रदर्शनी	निबंध प्रतियोगिता
पुरस्कार वितरण	गंगा जल अनुसंधान	स्वास्थ्य सिविर
वेद एवं योग प्रतियोगिता	योगासन प्रतियोगिता	वैज्ञानिक शोध लेखन
मौखिक प्रस्तुतीकरण	साइंस टून	कला प्रतियोगिता
आयुष	पात्र अभिनय	बेबीनार सांईसटून
रेड़ियों वार्ता औषधि	पादप पर चर्चा	औषधि पौध वितरण
किसान प्रशिक्षण	अनुसन्धान अनुदान लेखन	गंगाशोधन एवं संवर्धन
वेबिनार	आपातकालीन प्रबंधन	वर्चुअल टूर
मंत्रीगण के विचार	आकाशवाणी संवाद	विभिन गतिविधियां

Who should Attend Aushadhi Padap Mahakumbh-2021 (APM-2021)

- Ayurveda Doctors/ Alternative Medicine Consultants/ Acupuncturists
- Complementary Medicine Specialists
- Delegates from various industries
- Herbalists/ Homeopathic Doctors
- Naturopathy Specialist
- Noble Laureates
- Scientists
- Specialists of Natural Medicine
- Professors
- Ph.D. Scholars and Researchers
- Researchers who believe In Natural Remedies to Explore their research work

Why to Attend Aushadhi Padap Mahakumbh-2021 (APM-2021)

Aushadhi Padap Mahakumbh-2021 (APM-2021) is to be started from January 14th 2021, Gurukula Kangri (Deemed) University, Haridwar with an aim

- To celebrate this 2021-Mahakumbh as Green Kumbh-2021.
- To be the biggest event on Medicinal Herbs & Latest Advancements in Medicinal Plants.
- To acquire methodological knowledge on latest and advanced in medicinal plant research and development.

Aushadhi Padap Mahakumbh 2021 will provide handpicked presentations/sessions from all over the globe on topics like

- Alternative Methods of Healthcare
- To tackle globalization in the fields of
- Medicinal Plants
- Traditional Medicines
- Alternative Methods of Healthcare
- Vedic Sciences
- Yogic Sciences
- Ganga Rejuvenation and Promotion
- Ganga Research and Promotion
- Get a chance to interact with
- Noble Laureates,
- Consultants,
- Specialists,
- Professors,
- Doctors/ Practitioners (Ayurveda, Homeopathic, Medicines)
- Industrialists
- Scholars and Researchers
- To spread knowledge through world-class keynote lecture and oral presentations by renowned speakers throughout the world in the field of
- Vedic Sciences
- Yogic Sciences
- Ganga Rejuvenation and Promotion
- Ganga Research and Promotion

SPONSORSHIP PROPOSAL

Gurukula Kangri Deemed to be University is organizing Medicinal plants Mega Conference & Exhibition 2021 to be held from 14th January to 30th April 2021. The event will include oral and poster presentations of research papers grouped into parallel tracks and Keynote talks from experts.

We invite you to join hands with us in promotion of this mega event sponsoring. Various opportunities for association are available as per sponsorship details given below.

Platinum Sponsor : Rs.51,000/-

- Company logo and link on the conference website.
- Two complimentary stall (3m x 3m each) for product display (or) a customized display area not exceeding 10 X 6 feet at a prime location.
- Additional Standalone product advertisement banners in key area.
- Display of the logo on the partner's panel.
- 02 complimentary corporate registrations to the conference.
- 1 Full page and profile advertisement in souvenir Booklet.
- Company's brochure and demo CD to be included in Conference kit.
- 2 Flyer Inserts in the conference Kit
- Speaking slot for 30 minutes.

Gold Sponsor : Rs.21,000/-

- One complimentary stall (3m x 3m each) for product display (or) a customized display area not exceeding 7 X 4 feet at a prime location.
- Display of the logo on the partner's panel.
- Company logo and link on the Conference Website.
- 01 complimentary corporate registrations to the conference.
- 1 page and profile advertisement in souvenir Booklet.
- 1 Flyer Insert in the conference Kit
- Speaking slot for 20 minutes.

Silver Sponsor : Rs.11,000/-

- One complimentary stall (3m x 3m each) for product display (or) a customized display area not exceeding 5 X 3 feet at a prime location.
- 01 complimentary corporate registrations to the conference.
- Half page company profile to be added in the conference kit.
- Colour advertisement of the sponsor/ product in the Conference Souvenir.
- Company logo on Conference Website.
- Display of Company Banner within the Lunch Area.
- 1 Flyer Insert in the conference Kit
- Speaking slot for 10 minutes.

Kit Sponsor : Rs.1 Lakhs

- Partners Logo will appear on the conference kit.
- 02 complimentary corporate registrations to the conference.
- Partner will be free to put its promotional material in the conference kit
- Partners will be allowed to display kits standalone product advertisement backdrop in the conference kit
- One flyer inserts in conference kit bag.

Lanyard Sponsor : Rs.20,000

- Partner will be allowed to display its standalone product advertisement backdrop or Standee in the registration area.
- 01 Complimentary Corporate Registration
- Logo on the Lanyard

Terms and Conditions

- Partnership offers will be entertained on a first come-first serve basis.
- One table and 2 chairs will be provided to the stalls.
- Facilities required if any will be provided at an additional cost.
- All partnership payments shall be payable in Indian Rupees.
- The partnership shall be confirmed only after the confirmation of full payment receipt.
- The organizing committee has the rights to accept and reject the offer of partnership at any point of time.
- Stalls will be allocated on a first come first serve basis.
- Additional of 18% of GST will be added while making the payment by the client.

For Payment

Account holder name	Registrar, Gurukul Kangri Vishwa Vidyalaya, Haridwar
Account number	4063000100117370
Bank Name	Punjab National Bank
Bank Branch	Gurukul Kangri, Haridwar
Swift Code	PUNBINBBISB
IFSC Code	PUNB0406300

Contact :

Prof. Satyendra Kr. Rajput
Head, Department of Pharmaceutical Science, Faculty of Medical Science and Health, Gurukula Kangri (Deemed) University, Haridwar